प्रसार भारती
आकाशवाणी शिमला
03.10.2023 / प्रादेशिक समाचार बुलेटिन / 19:45बजे

''मुख्य समाचार''

- प्रदेश में मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना औपचारिक रूप से शुरू–योजना में नये चिन्हित 27 सौ अनाथ बच्चों को भी मिलेगी वित्तीय सहायता।

- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने कहा अनाथ बच्चों की मद्द के लिए कानून के तहत योजना बनाने वाला हिमाचल बना देश का पहला राज्य।

- उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों से रेगिंग सहित नशे से दूर रहने का किया आह्वान।

और

- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कोरोना काल में सेवाएं देने वाले आउटसोर्स कर्मियों को सरकार द्वारा बर्खास्त करने के फैसले को अमानवीय बताया।

सुखविंदर सिंह सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से राज्य स्तरीय समारोह में अनाथ, विशेष रूप से सक्षम बच्चों, निराश्रित महिलाओं और वृद्धजनों को व्यापक सहायता के दृष्टिगत मुख्यमंत्री सुख–आश्रय योजना की औपचारिक शुरूआत की। इसके साथ ही हिमाचल अनाथ बच्चों व अन्य वंचित वर्गों की मदद के लिए कानून बनाकर यह योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर योजना के पात्र बच्चों को 4 करोड़ 68 लाख रुपये के वित्तीय लाभ का वितरण भी किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 17 अनाथ बच्चों को 7 लाख दो हजार रुपये फीस और 4 लाख 8 हजार रुपये मासिक व्यय का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने पालक देखभाल व प्रायोजन के अन्तर्गत एक हजार एक सौ 6 लाभार्थियों को 2 करोड़ 65 लाख़ रुपये के वित्तीय लाभ हस्तांतरित किए। इसके अतिरिक्त बाल देखभाल संस्थानों के 12वीं कक्षा के 30 मेधावी छात्रों को लैपटॉप और लघु व सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए तीन लाभार्थियों को छह लाख रुपये का आवंटन भी किया। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सुख–आश्रय योजना के अन्तर्गत नए चिन्हित किए गए लगभग 27 सौ अनाथ बच्चों को भी 27 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक 4 हजार रुपये मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि योजना के अन्तर्गत अनाथ बच्चों को वार्षिक आधार पर 15 दिवसीय अध्ययन भ्रमण करवाया जाएगा, जिसका सारा खर्च प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनाथ बच्चों को प्रदत्त यह अधिकार दया के रूप में नहीं बल्कि एक कानून बनाकर उन्हें उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने आपदा प्रभावित 16 हजार 5 सौ परिवारों की सहायता के लिए 4 हजार 5 सौ करोड़ रुपये का विशेष राहत

पैकेज जारी किया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और अनाथ बच्चों के साथ दोपहर भोज में भी शामिल हुए। इस दौरान सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री कर्नल धनी राम शांडिल ने मुख्यमंत्री सुख–आश्रय योजना के महत्त्व पर बल देते हुए कहा कि अनाथ बच्चों के कल्याण में सरकार की यह फ्लैगशिप योजना कारगर साबित होगी। इस अवसर पर कृषि मंत्री चंद्र कुमार और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हर्षवर्धन चौहान

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा है कि प्रदेश सरकार आपदा पीड़ित करीब 3 हजार 5 सौ परिवारों को 7–7 लाख रूपए की सहायता राशि घर बनाने के लिए देगी। आज सोलन में एक पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े 4 हजार करोड़ का आपदा राहत पैकेज हिमाचल के प्रभावित परिवारों के लिए जारी किया गया है। उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुआवजा राशि को बढ़ा कर प्रदेश की जनता को राहत दी है। उन्होंने कहा कि आपदा से भूमिहीन हुए परिवारों को प्रदेश सरकार घर बनाने के लिए भूमि भी देगी और नए मकान बनाने वाले परिवारों को बिजली व पानी के निशुल्क कनेक्शन देगी। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि लोगों ने 2 सौ करोड़ रुपये की सहायता मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में दी है।

विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि मेले हमारी प्राचीन परंपराओं व रीति–रिवाज के संरक्षण और संवर्धन में अहम भूमिका निभाते हैं। वे आज सिरमौर जिले की पच्छाद विधानसभा की जदोल–टपरोली पंचायत में पझौता क्षेत्र स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय मेले के समापन समारोह के अवसर पर बोल रहे थे। विक्रमादित्य सिंह ने क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए कहा कि पझौता आंदोलन का इतिहास विशेष है और सभी को इसके बारे में जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत प्रदेश को 26 सौ करोड़ रुपये मिले हैं जबकि सिरमौर जिले में 95 करोड़ रुपये के कार्य इस योजना के तहत चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी चुने हुये प्रतिनिधियों की मांगों को पूरा किया जायेगा।

अग्निहोत्री

उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने ऊना जिला के सलोह स्थित ट्रिपल आईटी का नाम विश्वमानचित्र पर अंकित करने के लिए सांझे प्रयासों पर बल दिया है। वे आज संस्थान के दूसरे स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। अग्निहोत्री ने लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को संस्थान तक जाने वाली सड़क को आवश्यकता अनुसार चौड़ा करने के निर्देश दिए। उन्होंने संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्थानीय लोगों के साथ जुड़ कर उन्हें संस्थान की महत्वता के बारे जानकारी उपलब्ध करवाएं। अग्निहोत्री ने संस्थान के विद्यार्थियों को प्रदेश की संस्कृति और प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की जानकारी के लिए हिमाचल भ्रमण का सुझाव दिया ताकि अलग–अलग राज्यों से आए विद्यार्थी हिमाचल के

सौंदर्य का वर्णन कर सके। उन्होंने विद्यार्थियों से रेगिंग सहित सिंथेटिक ड्रग व अन्य नशों से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर उप–मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

<u>जयराम ठाकुर</u>

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कोरोना काल में सेवाएं देने वाले करीब दो हजार आउटसोर्स कर्मियों को राज्य सरकार द्वारा बर्खास्त किए जाने की कड़ी आलोचना की है। एक बयान में उन्होंने कहा कि सरकार ने छह महीने का वेतन दिये बिना 30 सितंबर को इन कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया, जो बेहद निंदनीय है। जयराम ठाकुर ने कहा कि कोविड के दौरान काम करने वाले लोगों को पूरी दुनिया में सम्मानित किया गया जबकि हिमाचल में कोविड वॉरियर को अपमानित किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोविड वॉरियर को बाहर करने का प्रदेश सरकार का फैसला पूर्णतया अमानवीय है। उन्होंने कहा कि सरकार को बने मात्र दस महीने ही हुए हैं लेकिन आज प्रदेश भर के लोग सड़कों पर हैं और ये परिस्थिति सरकार की नाकामी व झूठ के कारण बनी है।

<u>मेरी माटी, मेरा देश</u>

नेहरू युवा केंद्र कुल्लू, भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस व राष्ट्रीय सेवा योजना और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के तत्वाधान में मेरी माटी, मेरा देश मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन कार्यक्रम के अन्तर्गत मनाली में आज अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने पवित्र मिट्टी को कलश में डालकर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मनाली के मॉल रोड होते हुए रामबाग चौक तक अमृत कलश यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों लोगों ने मिट्टी और चावल को कलश में डाला। यात्रा को संबोधित करते हुए गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को देश के स्वतंत्रता का इतिहास स्मरण रहें इसके लिए पूरे देशभर में कलश में पवित्र मिट्टी एकत्रित की जा रही है। इन कलशों के माध्यम से यह मिट्टी दिल्ली भेजी जाएगी जहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के पास शहीदों की याद में अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा।

<u>प्रदर्शनी</u>

भारत सरकार के सूचना व प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो हमीरपुर द्वारा केंद्र सरकार के 9 वर्ष सेवा सुशासन और गरीब कल्याण और जन कल्याणकारी योजनाओं पर हमीरपुर में लगाई गई 3 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी आज समापन हो गई। इस दौरान छात्राओं ने स्वच्छता पर रैली निकाली और नारे लगाकर लोगों को साफ सफाई के बारे में जागरूक किया। सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो हमीरपुर के प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि इसके अलावा गीत व नाटक के माध्यम से भी विद्यार्थियों व अध्यापकों को भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

क्रिकेट

धर्मशाला स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 7 अक्तूबर को होने वाले आईसीसी विश्व कप के मुकाबले के लिए बांग्लादेश की टीम आज धर्मशाला पहुंची। गग्लहावई अड्डे पहुंचने पर बांग्लादेश की टीम का प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को द्वारा स्वागत किया गया। बांग्लादेश टीम के खिलाडी कल दोपहर के समय धर्मशाला के क्रिकेट मैदान में अभ्यास करेंगे।

अंत में मुख्य समाचार एक बार फिर

- प्रदेश में मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना औपचारिक रूप से शुरू–योजना में नये चिन्हित 27 सौ अनाथ बच्चों को भी मिलेगी वित्तीय सहायता।

- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने कहा अनाथ बच्चों की मदद के लिए कानून के तहत योजना बनाने वाला हिमाचल बना देश का पहला राज्य।

- उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों से रेगिंग सहित नशे से दूर रहने का किया आह्वान।

और

- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कोरोना काल में सेवाएं देने वाले आउटसोर्स कर्मियों को सरकार द्वारा बर्खास्त करने के फैसले को अमानवीय बताया।